मुफ्त में सेवा और खिलाया खाना, मोहम्मद कैफ हुए कायल

लॉकडाउन के दौरान यहां से मुजीबुल्लाह रोजाना पैदल चलकर स्टेशन आते थे और लोगों की मदद कर रहे थे। लोग इस पोस्ट पर वृद्ध व्यक्ति की खूब तारीफ कर रहे हैं।

प्रवासी मजदूरों के लिए फरिश्ता बने 80 वर्षीय कुली

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। उम्र 80 वर्ष। नाम है मुजीबुल्लाह। लखनऊ के चारबाग रेलवे स्टेशन पर काम कुली का करते हैं। यह नाम बड़े ही अदब और गर्व के साथ लिया जा रहा है। वजह भी बेहद खास है। दरअसल, महामारी कोरोना वायरस के मुश्किल वक्त में उन्होंने प्रवासी मजदूरों के बोझे को बिना कोई पैसा लिए न केवल ढोए, बल्कि जरूरतमंदों को खाना खिलाने का नेक काम भी किया। उनके लिए भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने ट्विटर पर खास मेसेज लिखा है।

दुनिया के बेस्ट फील्डरों में से एक रहे कैफ ने मुजीबुल्लाह की कहानी शेयर की है। उन्होंने लिखा– मानवता किसी उम्र की मोहताज नहीं होती। मुजीबुल्लाह की उम्र 80 वर्ष है। वह लखनऊ के चारबाग स्टेशन पर कुली का काम करते हैं। उन्होंने बिना कोई पैसा लिए प्रवासी मजदूरों के सामानों को ढोया और उनके लिए खाना भी उपलब्ध कराया। मुश्किल वक्त में उनकी निस्स्वार्थता प्रेरणा दायक है। उल्लेखनीय है कि प्रवासी मजदूरों के लिए फरीश्ता बने मुजीबुल्लाह 1970 से चारबाग स्टेशन पर कुली का काम कर रहे हैं। वह स्टेशन से 6 किमी दूर गुलजार नगर में बेटी के साथ रहते हैं।

लिमिटेड ओवर में जानता हूं मेरी उपयोगिताः पंड्या

इस समय चुनौतीपूर्ण होगा टेस्ट क्रिकेट

क्रिकेट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारत के स्टार हरफनमौला हार्दिक पंड्या कमर की चोट के कारण फिलहाल टेस्ट क्रिकेट का जोखिम नहीं लेना चाहते और ऐसा इसलिए भी है क्योंकि उन्हें सीमित ओवरों के प्रारूप में अपनी उपयोगिता पता है। पंड्या ने सितंबर 2018 से टेस्ट नहीं खेला है। वह अब तक सिर्फ 11 टेस्ट खेले हैं लेकिन सीमित ओवरों में आक्रामक हरफनमौला के रूप में अपनी जगह पक्की कर चुके हैं। वह पिछले साल कमर के ऑपरेशन के बाद रिकवरी की ओर हैं। उन्होंने 'क्रिकबज' से कहा, 'मैं खुद को बैकअप तेज गेंदबाज के रूप में देखता हूं । कमर की सर्जरी के बाद फिलहाल टेस्ट क्रिकेट खेलना चुनौतीपूर्ण होगा।'

उन्होंने कहा, 'यदि मैं सिर्फ टेस्ट क्रिकेटर होता तो खेल लेता

लेकिन मैं ऐसा नहीं कर सकता क्योंकि सीमित ओवरों के प्रारूप में मुझे अपनी उपयोगिता पता है।'

पंड्या को 2018 में चोट लगी थी जब उन्हें पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप मैच के दौरान मैदान से स्ट्रेचर से ले जाया गया। उन्होंने कहा, 'मुझे लगा कि मेरा करियर खत्म हो गया क्योंकि मैने कभी किसी को यूं स्ट्रेचर पर जाते हुए नहीं देखा। मेरा दर्द कम ही नहीं हो रहा था लेकिन मेरा शरीर तुरंत रिकवरी मोड में चला गया। एशिया कप वैसे भी आराम मिलने से पहले मेरा आखिरी टूर्नामेंट था जिसमें यह चोट लग गई।'

पिछले साल एक टीवी शो पर महिला विरोधी बयानबाजी के कारण विवादों से घिरे पंड्या ने कहा कि उन्होंने अपना सबक सीख लिया है। उन्होंने कहा, 'मैं उस घटना के बाद समझदार हो गया हूं।

मैने जिंदगी में गलतियां कीं लेकिन उन्हें स्वीकार भी किया। यदि ऐसा नहीं होता तो मैं एक और टीवी शो कर रहा होता।'

पंड्या ने कहा, 'अब मैं उसे सोचकर परेशान नहीं होता क्योंकि हमने एक परिवार के रूप में उसे स्वीकार कर लिया। मुझे सबसे ज्यादा दुख इस बात का है कि मेरी गलती की सजा मेरे परिवार ने भुगती । यह स्वीकार्य नहीं है।'

उन्होंने स्वीकार किया कि कैरियर में एक दौर ऐसा भी था जब दूसरों की बातों का उन पर बहुत असर होता था और वह विचलित हो जाते थे । उन्होंने कहा ,'मेरी आईपीएल टीम मुंबई इंडियंस के कोच रिकी पॉन्टिंग ने एक बच्चे की तरह मुझे संभाला। मैने उनसे काफी कुछ सीखा है।'

लार हो या नहीं! बॉल को रिवर्स स्विंग करा सकता हूंः मोहम्मद शमी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

कोलकाता। भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने कहा कि लार पर प्रस्तावित प्रतिबंध के बावजूद वह गेंद को रिवर्स स्विंग करा सकते हैं। बशर्ते गेंद की चमक बरकरार रखी जाए। कोरोना वायरस महामारी के कारण निलंबन के बाद खेल जब दोबारा शुरू होगा तो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद गेंद को चमकाने के लिए लार के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी में है।

विशेषज्ञों का मानना है कि गेंद पर थूक या लार का इस्तेमाल करने से कोविड–19 के संक्रमण का खतरा बढ़ जाएगा। शमी ने रोहित जुगलान के साथ इंस्टाग्राम चौट के दौरान कहा, श्मुश्किलें होंगी। बचपन से ही हम लार के

इस्तेमाल के आदी हैं। अगर आप तेज गेंदबाज हैं तो अपने आप ही गेंद को चमकाने के लिए लार का इस्तेमाल करने लगते हो। लेकिन हां, अगर आप सूखी गेंद की चमक को बरकरार रख पाए तो यह निश्चित तौर पर रिवर्स स्विंग करेगी। पूर्व भारतीय दिग्गज अनिल कुंबले की अगुआई वाली आईसीसी की क्रिकेट समिति ने कहा था कि खिलाड़ी गेंद को चमकाने के लिए पसीने का इस्तेमाल कर सकते हैं। लेकिन शमी ने कहा कि इससे तेज गेंदबाज को मदद नहीं मिलेगी। रिवर्स स्विंग में माहिर शमी ने कहा, श्पसीना और लार अलग तरीके से काम करते हैं। मुझे नहीं लगता कि इससे मदद मिलेगी। मैंने कभी लार के बिना गेंदबाजी का प्रयास नहीं किया। अब कोरोना वायरस महामारी के कारण लार के इस्तेमाल को रोकना बेहद महत्वपूर्ण हो गया है। शमी ने कहा कि खिलाड़ियों को मैदान के अंदर और बाहर महेंद्र सिंह धोनी की कमी खलती है। जहां तक मार्गदर्शन का सवाल है वह अपने साथियों के साथ हमेशा इस तरह का व्यवहार करते हैं कि आपको लगेगा ही नहीं कि वह एमएस धोनी हैं।

शमी ने कहा, वह इतने बड़े खिलाड़ी हैं। उन्हें लेकर मेरी काफी यादें हैं। हम अब भी सोचते हैं कि माही भाई आएंगे और उनके साथ खेलने में मजा आएगा।

जो रूट के घर आने वाली है खुशी, वेस्टइंडीज के खिलाफ शायद ही खेले

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। इंग्लैंड के कप्तान जो रूट जुलाई में वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरुआती टेस्ट में खेलने की संभावना कम है, क्योंकि उनके दूसरे बच्चे का जन्म इन्हीं तारीख में हो सकता है। इस दौरान उपकप्तान बेन स्टोक्स अंतरिम कप्तान की जिम्मेदारी संभालेंगे। रूट का मानना है कि वह 'शानदार कप्तान' साबित होंगे। वेस्टइंडीज की टीम कार्यक्रम के बदलाव के बाद जुलाई में इंग्लैंड का दौरा करेगी जो दर्शकों के बिना खाली स्टेडियम में होगा। पहला टेस्ट आठ जुलाई से साउथम्पटन में शुरू होगा और रूट की पत्नी कैरी को दूसरे बच्चे के जन्म के लिये जुलाई के शुरू की तारीख दी गयी हैं। रूट ने कहा, 'जो तारीख दी गयी है, उससे चीजें थोड़ी पेचीदा हो गई हैं। चिकित्सीय टीम से चर्चा की गई है और हम इससे अपडेट होने की कोशिश कर रहे हैं। अभी मैं कुछ नहीं कह सकता।' रूट ने कहा, 'मुझे लगता है कि अगर बेन कप्तान होगा तो वह शानदार होगा। उसकी बेहतरीन बात यही है कि वह उदाहरण पेश करता है, जिस तरह से वह अभ्यास करता है, किस तरह वह मुश्किल परिस्थितियों में गेंदबाजी करना चाहता है और वह विभिन्न परिस्थितियों में जैसी बल्लेबाजी करता है।'

न्यूज डायरी

खेल बहाल होने पर चोटों के प्रबंधन को लेकर सावधान रहना होगाः इरफान पठान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मुंबई। पूर्व तेज गेंदबाज इरफान पठान का मानना है कि भारतीय टीम प्रबंधन को कोरोना वायरस महामारी के बाद खेल बहाल होने पर गेंदबाजों की चोटों के प्रबंधन को लेकर काफी सतर्कता बरतनी होगी। भारतीय खिलाड़ियों ने 25 मार्च के बाद से अभ्यास नहीं किया है। कोरोना महामारी के बाद तब से देशव्यापी लॉकडाउन लागू था। तेज गेंदबाज शार्दुल ठाकुर ने पिछले महीने बोइसर में अभ्यास शुरू किया। पठान ने कहा कि आईपीएल टीमों समेत सभी टीमों को गेंदबाजों को लेकर अतिरिक्त सावधानी बरतनी होगी क्योंकि दो महीने बाद मैदान पर लौटने पर चोटों की संभावना अधिक होगी। उन्होंने स्टार स्पोर्टस के शो 'क्रिकेट कनेक्टेड' पर कहा, 'चोटों का प्रबंधन सबसे अहम है। हमें गेंदबाजों पर फोकस करना होगा।' आईसीसी ने भी हाल ही में गेंदबाजों के लिये खास दिशा निर्देश जारी करते हुए कहा था कि टीमों को गेंदबाजों के कार्यभार को लेकर सजग रहना होगा।

लगातार दूसरे साल अर्जुन अवॉर्ड के लिए नॉमिनेशन नहीं

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी एचएस प्रणॉय लगातार दूसरे साल अर्जुन पुरस्कार के लिए नामांकित नहीं किए जाने से गुस्से में हैं और उन्होंने कहा कि भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) ने उनसे कम उपलब्धि वाले खिलाड़ियों के नाम की सिफारिश की है। बीएआई ने मंगलवार को सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की शीर्ष युगल जोड़ी और पुरुष एकल खिलाड़ी समीर वर्मा ने नाम की सिफारिश इस पुरस्कार के लिए की थी। प्रणॉय ने अपनी नाराजगी ट्विटर पर व्यक्त की। उन्होंने लिखा, 'अर्जुन पुरस्कार के लिए वही पुरानी चीज। राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई चौंपियनशिप में पदक जीतने वाले खिलाड़ी के नाम की सिफारिश संघ द्वारा नहीं की गई, जबकि जो खिलाड़ी इन दोनों प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं में नहीं था, उसके नाम की अनुशंसा की गई है। वाह।' इन तीन नामांकन में से सात्विक–चिराग की जोड़ी ने 2018 राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीता था, लेकिन समीर कभी भी इसमें नहीं खेले हैं।

कोविड–19 से जंग में छाए स्पोर्ट्स स्टार्स, नैशनल ड्यूटी से पेश कर रहे मिसाल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। खेल रहे थे तो अपने करिश्माई प्रदर्शन से दुनियाभर में भारत का सिर गर्व से ऊंचा करते रहे। अब वे पुलिस में नैशनल ड्यूट को अंजाम दे रहे हैं और कोविड–19 के मुश्किल समय में मदद करने में भी आगे हैं। दूसरी ओर, मोहम्मद शमी और वीरेंदर सहवाग जैसे स्टार क्रिकटर भी जरूरतमंदों में खाना और मास्क बांट रहे हैं। ये स्पोर्ट्स स्टार्स अपने नेककाम से मिसाल पेश कर रहे हैं। हरियाणा में डीएसपी जोगिंदर शर्मा को ही ले लिया जाए। टी20 वर्ल्ड कप–2007 में पाकिस्तान के खिलाफ विनिंग ओवर करने वाला यह दिग्गज क्रिकेटर पेट्रोलिंग और लोगों की मदद करते दिखाई दिया। पूर्व भारतीय कप्तान राजपाल सिंह पंजाब पुलिस में डीएसपी हैं। टीम में हाफबैक के तौर पर खेलने वाला यह हॉकी स्टार 2000 के समय तक अपनी स्पीड और पावर के लिए मशहूर रहा। कबड्डी टीम के पूर्व कप्तान अजय ठाकुर हिमाचल प्रदेदश में डीएसपी हैं और उन्होंने लंबे समय तक घर से बाहर फील्ड में रहकर लोगों की मदद की।

फर्स्ट क्लास से पहले नैशनल टीम में चयन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पाकिस्तान। स्विंग के सुल्तान कहे जाने वाले पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम (पउ ।तंउ) आज 54 वर्ष के हो गए। 3 जून, 1966 को जन्मे इस धुरंधर तेज गेंदबाज को दुनिया का बेस्ट लेफ्ट आर्म पेसर माना जाता है। खतरनाक यॉर्कर और गेंद को स्विंग कराने की अद्भुत प्रतिभा जो वसीम के पास थी वह किसी और के पास नहीं देखी गई। बहुत कम लोगों को पता होगा कि वसीम अकरम के टैलेंट को पहचानने का काम इमरान ने नहीं, बल्कि दिग्गज बल्लेबाज जावेद मियांदाद ने किया था। जावेद टीम के कप्तान थे और टीम में एक तेज तर्रार तेज गेंदबाज चाहते थे। 18 वर्षीय वसीम को टीम में चुनने में जावेद के अलावा हसीब अहसान का अहम रोल रहा। माना जाता है कि वसीम को 1984 में जब पाकिस्तान नैशनल टीम में चुना गया तो उन्होंने एक भी फर्स्ट क्लास क्रिकेट मैच नहीं खेला था।